सत्यमेव जयते

प्रारंभिक शिक्षा विभाग – राजस्थान सरकार

सतत एवं व्यापक मूल्यांकन योजना के अन्तर्गत

अध्यापक योजना डायरी

कक्षा–4 : गणित

सत्र :.....

विद्यालय का नाम : .....

शिक्षक/शिक्षिका का नाम : .....

शिक्षा का अधिकार

सर्व शिक्षा अभियान
सब पढ़ें सब बढ़ें

अध्यापक योजना डायरी के बारे में

- दैनिक शिक्षण योजना, अवलोकन एवं सतत आकलन हेतु शिक्षक स्वयं की एक साधारण डायरी संधारित करें।
- प्रत्येक शिक्षक को विद्यालय समय–सारणी में निर्धारित विषय के अनुसार योजना डायरी संधारित करनी होगी। इस योजना डायरी में विद्यार्थी के नाम, पाठ्यक्रम, टर्मवार अधिगम उद्देश्य एवं सम्बन्धित पाठ, कक्षा के बच्चों के उपसमूहों का विवरण, योजना समीक्षा एवं रचनात्मक आकलन चैकलिस्ट सम्मिलित है। इनका क्रमवार विस्तारित विवरण आगामी बिन्दुओं में दिया गया है।
- सम्बन्धित कक्षा के विद्यार्थी के नाम एवं रोल नं. डायरी के तृतीय पृष्ठ पर लिखे जाएंगे। विद्यार्थी उपस्थिति रजिस्टर में लिखे गए क्रमानुसार यहां नाम लिखना है।
- **अधिगम स्तर के अनुसार उप समूहों की स्थिति एवं लक्ष्य** – हिन्दी, अंग्रेजी एवं गणित पढ़ाने वाले शिक्षकों को आधार रेखा आकलन या अन्तिम योगात्मक आकलन से प्राप्त सम्बन्धित कक्षा के विद्यार्थियों की शैक्षिक स्थिति एवं उसके अनुरूप लक्ष्य निर्धारित करके, दिए गए प्रपत्र में दर्ज़ करना है।
- **शिक्षण–आकलन योजना** – इस प्रारूप में क्रमशः पाठ/इकाई, अवधारणा/थीम, कक्षा समूह के लिए अधिगम उद्देश्य, शिक्षण कार्य (सामूहिक, उपसमूह एवं व्यक्तिगत कार्य) एवं सतत आकलन गतिविधियों से संबंधित बिन्दुओं को शामिल किया गया है। इनके तहत पाठ्यक्रम के अनुरूप योजना का निर्माण किया जाना अपेक्षित है। यहाँ सम्पूर्ण कक्षा के लिए **"अधिगम उद्देश्य से तात्पर्य"** पाठ या अवधारणा से संबंधित सभी विद्यार्थियों के लिए अधिगम उद्देश्यों को व्यापक रूप में लिखने से है।
- **"उपसमूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य"** से तात्पर्य संबंधित कक्षा में आरम्भिक लेखन, पठन एवं गणित से संबंधित बुनियादी दक्षताओं पर अध्ययनरत विद्यार्थियों के लिए योजना के तहत विशेष अधिगम उद्देश्य निर्धारित किए जाने से है।
- **मासिक समेकित रचनात्मक आकलन** – इसके अंतर्गत बच्चों के सीखने की स्थिति को प्रत्येक माह के अन्त में कक्षा–कक्षीय शिक्षण के दौरान संग्रहित विभिन्न स्रोतों से प्राप्त सूचनाओं को समेकित करते हुए आकलन सूचकों के सापेक्ष दर्ज़ करना है।
- चैकलिस्ट में दर्शाए गए प्रथम कॉलम में माह I, II एवं द्वितीय कॉलम में **'कार्य किया'** लिखा गया है। इसका तात्पर्य है कि जिस माह में जिन–जिन अधिगम क्षेत्रों के लिए आकलन–सूचकों के सापेक्ष कार्य किया जाएगा उनके सामने सही (✓) का चिह्न दर्शाया जाएगा। यदि दोनों माहों में कार्य किया गया है तो दोनों में ही (✓) का चिह्न लगाया जाएगा।
- प्रथम टर्म के अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष निर्धारित आकलन सूचक आगे की टर्म की चैकलिस्ट में भी सम्मिलित किए गए हैं ताकि पूर्व की टर्म में बच्चे किन्हीं अधिगम उद्देश्यों पर अपेक्षित स्तर प्राप्त नहीं कर पाते हैं तो उनका आकलन आगे की टर्म में भी किया जा सकेगा।
- मासिक रचनात्मक समेकित आकलन के लिए दी गई चैकलिस्ट में अधिकतम 50 बच्चों का आकलन दर्ज़ किया जा सकता है। चैकलिस्ट की सबसे ऊपर की पंक्ति में बच्चों का क्रमांक लिखा गया है जो कि डायरी के तृतीय पृष्ठ पर लिखे गए बच्चों के नाम के क्रम में होगा।
- बुनियादी दक्षताओं से सम्बन्धित चैकलिस्ट में बच्चों का नाम– क्रमांक तृतीय पृष्ठ पर दिए नामों के क्रमांक के अनुसार लिखा जाएगा। (उदाहरण के तौर पर यदि क्रमांक 8, 10 व 15 के बच्चे निर्धारित कक्षा से पीछे हैं तो उन्हीं बच्चों का वही क्रमांक दर्ज़ किया जाएगा।)
- चैकलिस्ट में आकलन A, B एवं C ग्रेड द्वारा दर्ज़ किया जाएगा जिसका विवरण निम्नानुसार है – A= स्वतंत्र रुप से कार्य कर पाना या अपेक्षित स्तर की समझ/दक्षता होना; B= शिक्षक की सहायता से कार्य कर पाना या मध्यम स्तर की समझ/दक्षता होना तथा C= शिक्षक की विशेष सहायता से कार्य कर पाना या आरम्भिक स्तर की समझ/दक्षता होना है।
- इसमें आरंभिक लेखन–पठन एवं गणित की बुनियादी दक्षताओं से सम्बन्धित चैकलिस्ट को भी सम्मिलित किया गया है। जिसमें ऐसे विद्यार्थी जो नामांकित कक्षा–स्तर पर नहीं हैं उनका मासिक समेकित रचनात्मक आकलन दर्ज़ किया जाएगा। इसके लिए भी ऊपर वर्णित ग्रेड के अनुसार आकलन दर्ज़ करना होगा।

'सतत एवं व्यापक मूल्यांकन योजना' के विकास एवं कार्यान्वयन में सहभागी संस्थाएँ

राजस्थान प्रारम्भिक शिक्षा परिषद्

एस.आई.ई.आर.टी., उदयपुर

यूनिसेफ, जयपुर

बोध शिक्षा समिति

विद्यार्थियों के नाम व रोल नम्बर

रो.नं.	छात्र/छात्रा का नाम	लिंग
1		
2		
3		
4		
5		
6		
7		
8		
9		
10		
11		
12		
13		
14		
15		
16		
17		

रो.नं.	छात्र/छात्रा का नाम	लिंग
18		
19		
20		
21		
22		
23		
24		
25		
26		
27		
28		
29		
30		
31		
32		
33		
34		

रो.नं.	छात्र/छात्रा का नाम	लिंग
35		
36		
37		
38		
39		
40		
41		
42		
43		
44		
45		
46		
47		
48		
49		
50		

पाठ्यक्रम कक्षा : 4 (राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, उदयपुर द्वारा निर्धारित)

1. आकृति एवं स्थान की समझ

टॉप व्यू/साइड व्यू : किसी जगह/स्कूल/गाँव आदि के टॉप व्यू से बच्चों का परिचय कराना।

नज़री नक्शे : कक्षा/घर/स्कूल के नज़री नक्शे से परिचय कराना।
नज़री नक्शों को पढ़ पाना एवं नज़री नक्शे को बना पाना।

बाएँ और दाएँ शब्द से परिचय।

द्वि–आयामी आकृतियों के साथ माथा–पच्ची : अलग–अलग आकृति वाली टाइलें कैसे–कैसे एक जगह को ढक सकती हैं।
कागज़ पर/से अलग–अलग आकृतियों को बनाना तथा इनमें समानता और विभिन्नता को पहचानना।

घन, घनाभ आकृतियों को खोलकर उनको द्वि–आयामी स्वरूपों से जोड़ना। (नेट)

सममिति : लाइन सममिति की समझ का दोहरान करना एवं सममित वस्तुओं को पहचानना। एक वस्तु में एक से ज़्यादा सममिति अक्ष खोजना एवं सममिति के आधार पर चित्र तथा चीज़ें बनाना।

2. संख्याएँ

3 अंकों की संख्याओं की समझ का दोहरान और 4 अंकों की संख्याओं का परिचय कराना।

<, >, = चिह्न की समझ बनाना।

तीन अंक तक की संख्याओं के साथ जोड़ तथा घटाव : आड़े में लिखने के साथ ही कॉलम में संख्याएँ लिखकर जोड़ तथा घटा करना।

जोड़ तथा घटाव के सवाल : जोड़ तथा घटा के अन्य सवाल करना और मानक प्रचलित कलन विधि के पीछे के तर्क को समझना।

गुणा करने के विभिन्न तरीके : ऐतिहासिक उदाहरणों से गुणा करने के तरीके सीखना।
(दो और तीन अंक की संख्याओं का एक अंक की संख्या से गुणा एवं दो अंक की संख्या का दो अंक की संख्या से गुणा करना)

10 के गुणज के संदर्भ में भाग तथा गुणा के पैटर्न के सवाल : वैकल्पिक विधियों के प्रयोग से भाग करने के सवाल करना तथा भाग करने के लिए मानक प्रचलित कलन विधि का प्रयोग अभी नहीं करना है।
(दो और तीन अंक की संख्याओं का एक अंक की संख्या से भाग एवं दो अंक की संख्या का दो अंक की संख्या से भाग करना)

गुणा व भाग के विभिन्न तरह के इबारती सवाल हल करने की समझ बनाना।

3. भिन्न

बराबर बँटवारा करना : वस्तुओं को कुछ लोगों में ठीक बराबर हिस्सा देकर बँटवारा करना।

नई तरह से लिखने की ज़रूरत महसूस करना : यह समझाने का प्रयास करना कि पूर्ण संख्याओं के रहते हुए भी हमें नई तरह से संख्या लिखने की ज़रूरत क्यों पड़ रही है ?

संख्या को भिन्न के रूप में लिखना : आधे को $\frac{1}{2}$ के रूप में लिखना तथा इस प्रकार लिखने

सबके लिए एक ही स्केल या समान मानक इकाई की ज़रूरत : स्केल और इसकी उपयोगिता पर चर्चा करेंगे। यह समझना कि सभी के लिए एक स्केल क्यों ज़रूरी है।

लम्बाई का अंदाज़ा लगाना।

परिमिती की समझ : कुछ आकृतियों के किनारों पर माचिस की तीलियाँ जमाकर आकृति की परिमिती ज्ञात करना।

अनियमित आकृति की परिमिती : जैसे पैर का निशान या पीपल के पत्ते की परिमिती कैसे ज्ञात की जा सकती है ? इस पर चर्चा करना एवं बच्चों से तरीका जानना।

क्षेत्रफल : टाइल जमाना – पूरी जगह ढ़कने के लिए कौन–कौनसी आकृति वाली टाइलें उपयोग में ली जा सकती है।

ग्राफ पेपर का प्रयोग : ग्राफ पेपर पर बनी आकृतियों को खाने गिनने के तरीके द्वारा कम या ज़्यादा क्षेत्रफल ज्ञात करना।

परिमिती तथा क्षेत्रफल में सम्बन्ध : अभ्यासों द्वारा समझना कि परिमिती समान होने पर भी क्षेत्रफल अलग हो सकता है।

आयताकार आकृतियों के लिए क्षेत्रफल के सूत्र की सहज समझ बनाना।

मुद्रा : हिसाब–किताब आदि के संदर्भ में रुपए–पैसे का इस्तेमाल : जोड़–घटा–गुणा–भाग सभी संक्रियाओं का प्रयोग कीजिए।

भार : तौलने की ज़रूरत महसूस कराना – उचित संदर्भ या समस्या द्वारा महसूस करना।

तराजू से परिचय : चित्र तथा किराना दुकान के उदाहरण से।

एक किलोग्राम से परिचय कराना। वज़न की तुलना के सरल तरीके खोजना।

मानक वज़न या बाट का प्रयोग : 1 किलोग्राम में 100 ग्राम होने की जाँच नाप तौल द्वारा करना।

एक पाव, आधा किलो, सवा किलो, डेढ़ किलो तथा पौन किलो : वज़न को सरल भिन्न में सम्बन्ध बना पाना जैसे 200 ग्राम एक किलो का एक बटा पाँचवां हिस्सा है।

भार संरक्षण की समझ बनाना।

धारिता : लीटर इकाई का परिचय कराना। अलग–अलग पात्रों में धारिता का अंदाज़ा लगाना। मिलीलीटर इकाई का परिचय। लीटर और मिलीलीटर के सम्बन्ध को समझना। आधा, पौन लीटर को समझना।

समय : तारीख लिखना – तारीख लिखने का तरीका सीखना। किसी लिखी हुई तारीख में दिन, महीना तथा साल को पहचानना।

समय तथा काम के सम्बन्ध पर आधारित सवाल : किसी काम में लगने वाले समय को आधार बनाकर किए गए सवाल का हल खोजना।

दिन, सप्ताह, महीना, साल की समझ : इन सबके बीच परिवर्तन करना।

5. आँकड़ों का प्रबंधन एवं पैटर्न

आँकड़ों का प्रबंधन : आँकड़े जुटाना – दिये गए आँकड़ों को जुटाने के लिए उपयुक्त आधार तय कर पाना।

के मायने समझना। अन्य इकाई भिन्न जैसे $\frac{1}{3}$ या $\frac{1}{4}$ या $\frac{1}{5}$ या $\frac{1}{10}$ को लिखना तथा इस प्रकार लिखने के मायने समझना।

बराबरी तथा छोटा–बड़ा : बराबरी तथा बड़ा–छोटा आदि पर बराबर बँटवारे के तरीके से परिचय।

भिन्न संख्याओं को घटते तथा बढ़ते क्रम में जमाना : अब तक की समझ के आधार पर भिन्न संख्या देखकर उसकी मात्रा का अंदाज़ा लगाना तथा दूसरी भिन्नों से तुलना करना। इस प्रकार घटते तथा बढ़ते क्रम में जमाना।

भिन्न $\frac{m}{n}$ को $\frac{1}{n}$ के m टुकड़ों के रूप में भी समझना : जहाँ $\frac{1}{n}$ की समझ बराबर बँटवारे से आती है।

4. मापन इकाइयाँ

मीटर और सेंटीमीटर से परिचय : मानक इकाई की ज़रूरत महसूस करवा कर मीटर और सेंटीमीटर से परिचय करवाना।

आँकड़ों को सूचिबद्ध व्यवस्थित रखना : समूह द्वारा एकत्रित आँकड़ों को इस प्रकार व्यवस्थित रखने के तरीकों पर विचार करना कि आवश्यकता पड़ने पर सही सूचना जल्द प्राप्त की जा सके। (टैलीमार्क)

पिक्टोग्राफ पढ़ना एवं पिक्टोग्राफ बनाना : एकत्रित सूचनाओं से पिक्टोग्राफ बनाना। (दो चीज़ों का)

पैटर्न : आपके परिवेश में पैटर्न – आकृति तथा बनावट के आधार पर पैटर्न पहचानना, उन्हें आगे बढ़ाना व नए पैटर्न बनाना। पैटर्न के स्वरूप के आधार पर आगे के अवयव जैसे 5वें या 10वें अवयव को बता पाना।

संख्याओं में पैटर्न की समझ : विभिन्न संख्या श्रेणियों को दिखाकर उनमें पैटर्न पहचानना तथा आगे बढ़ाना। (जोड़, बाकी, गुणा, भाग के आधार पर)

कैलेण्डर की संख्याओं में पैटर्न खोजना। दृश्य पैटर्न को संख्याओं के पैटर्न से जोड़ना।

गुणा से मिलने वाले पैटर्न बनाना : किसी संख्या को 10, 100, 1000 आदि से गुणा करने के दौरान मिलने वाले पैटर्न की पहचान करना।

प्रथम टर्म

क्रम संख्या	अधिगम क्षेत्र	पाठ्यक्रम आधारित अधिगम उद्देश्य	राज्य पाठ्यपुस्तक में पाठ संदर्भ	
			पाठ	पृष्ठ संख्या
1	**आकृति एवं स्थान**	• दाँए/बाँए की समझ बना सके, निर्देशों को समझ कर रास्ता खोज सके एवं कक्षा/घर/स्कूल के नज़री नक्शे को देख कर समझ सकें। • सममित वस्तुओं को पहचान सकें, सममित अक्ष को खोज सकें, एक वस्तु में एक से अधिक सममित अक्ष खोज कर बता सकें एवं सममिति के आधार पर चित्र बनाने की समझ बना सकें।	1, 4 व 6	1–2, 9–10, 16–19
2	**संख्या ज्ञान**	• संख्याओं के क्रम को पहचानकर बताने, चीज़ों को क्रम दे पाने तथा संख्याओं के क्रम को अनुप्रयोग में ला पाने की समझ बना सकें। • संख्याओं में तुलना करने की समझ बना सकें, जिसमें किसी संख्या से ठीक पूर्व की संख्या, बाद की संख्या आदि पैटर्न पकड़ कर बता सकें।	5 व 7	11–15, 20–22
3	**संक्रियाएँ**	• किसी संख्या समूह का दुगुना या आधा समझ के साथ बता सकें। • जोड़–घटाव की समझ बना सकें तथा उससे सम्बन्धित ड्रिल हल कर सकें। • विविध भौतिक राशियों में अलग–अलग संक्रियाओं पर आधारित समस्याओं को हल कर सकें।	3, 8 व 10	7–8, 23–25, 28–30
4	**आँकड़ों का प्रबंधन एवं पैटर्न**	• अपनी पसन्द–नापसन्द की वस्तुओं के आँकड़े एकत्रित कर सकें। • ठोस चीज़ों, चित्रों एवं आकृतियों से बने पैटर्न में पैटर्न खोज सकें एवं दिए गए पैटर्न को आगे बढ़ा सकें तथा नए पैटर्न बना सकें।	2 व 9	3–6, 26–27

अधिगम स्तर एवं आवश्यकताओं के अनुसार कक्षा में विद्यार्थियों के उपसमूहों की स्थिति एवं लक्ष्य

उपसमूह – एक (कक्षा के लिए निर्धारित पाठ्यक्रम के अध्ययन हेतु आवश्यक योग्यता/दक्षता स्तर के समकक्ष)

टर्म के आरम्भ में स्तर : .....

.....

.....

उपसमूह में सम्मिलित विद्यार्थियों का नाम :

.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....

उपसमूह – दो (कक्षा के लिए निर्धारित पाठ्यक्रम के अध्ययन हेतु आवश्यक योग्यता/दक्षता का अपेक्षित स्तर नहीं)

टर्म के आरम्भ में स्तर : .....

.....

.....

टर्म के अंत तक के लिए निर्धारित लक्ष्य : .....

.....

.....

उपसमूह में सम्मिलित विद्यार्थियों का नाम :

.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....

नोट : हिन्दी, अंग्रेजी एवं गणित विषय में उपसमूह एक अथवा दो में पदस्थापन सत्रारंभ में किए गए आधार रेखा आकलन अथवा पूर्व कक्षा के योगात्मक आकलन के आधार पर किया जाएगा। जबकि पर्यावरण अध्ययन एवं कला शिक्षण में दैनन्दिक शिक्षण प्रक्रिया के अनुसार बदलते हुए उपसमूह बनाए जा सकते हैं।

योजना क्रमांक :	I. सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक ..... से ..... तक

पाठ / इकाई : ..... अवधारणा / थीम : .....

सम्पूर्ण कक्षा समूह के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. समूह कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

उपसमूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	

II. उपसमूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

उपसमूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य :

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. समूह कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

बच्चों के सीखने की प्रक्रिया एवं उपलब्धि के सन्दर्भ में शिक्षण योजना की समीक्षा

प्रथम सप्ताह : समयान्तराल ..... से ..... तक	द्वितीय सप्ताह : समयान्तराल ..... से ..... तक
1. कार्य के दौरान बच्चों की सहभागिता की स्थिति के बारे में :–	1. कार्य के दौरान बच्चों की सहभागिता की स्थिति के बारे में :–
2. बच्चों को आ रही कठिनाई के बारे में :–	2. बच्चों को आ रही कठिनाई के बारे में :–
3. अनुभव एवं स्वआकलन :–	3. अनुभव एवं स्वआकलन :–
4. योजना में किए गए बदलाव के बारे में :–	4. बच्चों के अधिगम उपलब्धि के बारे में :–

योजना क्रमांक :	I. सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक ..... से ..... तक

पाठ / इकाई : ..... अवधारणा / थीम : .....

सम्पूर्ण कक्षा समूह के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. समूह कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

उपसमूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	

II. उपसमूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

उपसमूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य :

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. समूह कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

बच्चों के सीखने की प्रक्रिया एवं उपलब्धि के सन्दर्भ में शिक्षण योजना की समीक्षा

प्रथम सप्ताह : समयान्तराल ..... से ..... तक	द्वितीय सप्ताह : समयान्तराल ..... से ..... तक
1. कार्य के दौरान बच्चों की सहभागिता की स्थिति के बारे में :–	1. कार्य के दौरान बच्चों की सहभागिता की स्थिति के बारे में :–
2. बच्चों को आ रही कठिनाई के बारे में :–	2. बच्चों को आ रही कठिनाई के बारे में :–
3. अनुभव एवं स्वआकलन :–	3. अनुभव एवं स्वआकलन :–
4. योजना में किए गए बदलाव के बारे में :–	4. बच्चों के अधिगम उपलब्धि के बारे में :–

योजना क्रमांक :	I. सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक ..... से ..... तक

पाठ / इकाई : ..... अवधारणा / थीम : .....

सम्पूर्ण कक्षा समूह के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. समूह कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

उपसमूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	

II. उपसमूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

उपसमूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य :

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. समूह कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

बच्चों के सीखने की प्रक्रिया एवं उपलब्धि के सन्दर्भ में शिक्षण योजना की समीक्षा

प्रथम सप्ताह : समयान्तराल ..... से ..... तक	द्वितीय सप्ताह : समयान्तराल ..... से ..... तक
1. कार्य के दौरान बच्चों की सहभागिता की स्थिति के बारे में :–	1. कार्य के दौरान बच्चों की सहभागिता की स्थिति के बारे में :–
2. बच्चों को आ रही कठिनाई के बारे में :–	2. बच्चों को आ रही कठिनाई के बारे में :–
3. अनुभव एवं स्वआकलन :–	3. अनुभव एवं स्वआकलन :–
4. योजना में किए गए बदलाव के बारे में :–	4. बच्चों के अधिगम उपलब्धि के बारे में :–

योजना क्रमांक :	I. सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक ..... से ..... तक

पाठ / इकाई : ..... अवधारणा / थीम : .....

सम्पूर्ण कक्षा समूह के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. समूह कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

उपसमूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	

II. उपसमूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

उपसमूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य : .....

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. समूह कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

बच्चों के सीखने की प्रक्रिया एवं उपलब्धि के सन्दर्भ में शिक्षण योजना की समीक्षा

प्रथम सप्ताह : समयान्तराल ..... से ..... तक	द्वितीय सप्ताह : समयान्तराल ..... से ..... तक
1. कार्य के दौरान बच्चों की सहभागिता की स्थिति के बारे में :–	1. कार्य के दौरान बच्चों की सहभागिता की स्थिति के बारे में :–
2. बच्चों को आ रही कठिनाई के बारे में :–	2. बच्चों को आ रही कठिनाई के बारे में :–
3. अनुभव एवं स्वआकलन :–	3. अनुभव एवं स्वआकलन :–
4. योजना में किए गए बदलाव के बारे में :–	4. बच्चों के अधिगम उपलब्धि के बारे में :–

मासिक समेकित रचनात्मक आकलन

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	माह	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25
आकृति एवं स्थान																										
नज़री नक्शे को देखकर चीज़ों एवं जगहों की सापेक्ष स्थिति बता पाना।	I																									
	II																									
सरल अमूर्त आकृतियों में सममिति खोज पाना। जैसे– अंग्रेजी वर्ण एवं शब्द, रोमन संख्यांक आदि।	I																									
	II																									
आइने की सहायता से चित्रों एवं डिज़ाइन की सममित अक्ष खोज पाना।	I																									
	II																									
संख्या ज्ञान																										
अपेक्षाकृत बढ़ते स्तर पर तीन अंकों तक की संख्याओं की पुख्ता समझ बना पाना। जिसमें संख्याओं का निरुपण एवं संख्याओं की तुलना की समझ स्थानीयमान के तर्क के आधार पर बना पाना।	I																									
	II																									
गिनती (क्रमागत संख्याओं) के सरल परिवेशीय अनुप्रयोग कर पाना। जैसे– पुस्तकालय में अमुक पुस्तक नम्बर की पुस्तक ढूँढ़ पाना आदि।	I																									
	II																									
संक्रियाएँ																										
तीन अंकों की संख्याओं में हासिल का जोड़ एवं उधार का घटाना कलन विधि से कर पाना।	I																									
	II																									
तीन अंकों की संख्याओं के जोड़–घटा के इबारती प्रश्नों की इबारत पढ़कर संक्रिया के हल को गणितीय रूप में निरुपित कर पाना।	I																									
	II																									
गुणा व भाग की प्रारम्भिक समझ बना पाना तथा दैनिक जीवन की सरल समस्याएँ हल कर पाना।	I																									
	II																									
आँकड़ों का प्रबन्धन एवं पैटर्न																										
चित्रों एवं आकृतियों के अपेक्षाकृत जटिल पैटर्न (पाठ्य सामग्री के अनुसार) खोज पाना एवं दिए गए पैटर्न को आगे बढ़ा पाना।	I																									
	II																									
विविध भौतिक राशियों के मापन सम्बन्धी आँकड़े संकलित कर पाना एवं व्यवस्थित कर तुलनाएँ कर पाना।	I																									
	II																									

मासिक समेकित रचनात्मक आकलन

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	माह	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50
आकृति एवं स्थान																										
नज़री नक्शे को देखकर चीज़ों एवं जगहों की सापेक्ष स्थिति बता पाना।	I																									
	II																									
सरल अमूर्त आकृतियों में सममिति खोज पाना। जैसे– अंग्रेजी वर्ण एवं शब्द, रोमन संख्यांक आदि।	I																									
	II																									
आइने की सहायता से चित्रों एवं डिज़ाइन की सममित अक्ष खोज पाना।	I																									
	II																									
संख्या ज्ञान																										
अपेक्षाकृत बढ़ते स्तर पर तीन अंकों तक की संख्याओं की पुख्ता समझ बना पाना। जिसमें संख्याओं का निरुपण एवं संख्याओं की तुलना की समझ स्थानीयमान के तर्क के आधार पर बना पाना।	I																									
	II																									
गिनती (क्रमागत संख्याओं) के सरल परिवेशीय अनुप्रयोग कर पाना। जैसे– पुस्तकालय में अमुक पुस्तक नम्बर की पुस्तक ढूँढ़ पाना आदि।	I																									
	II																									
संक्रियाएँ																										
तीन अंकों की संख्याओं में हासिल का जोड़ एवं उधार का घटाना कलन विधि से कर पाना।	I																									
	II																									
तीन अंकों की संख्याओं के जोड़–घटा के इबारती प्रश्नों की इबारत पढ़कर संक्रिया के हल को गणितीय रूप में निरुपित कर पाना।	I																									
	II																									
गुणा व भाग की प्रारम्भिक समझ बना पाना तथा दैनिक जीवन की सरल समस्याएँ हल कर पाना।	I																									
	II																									
आँकड़ों का प्रबन्धन एवं पैटर्न																										
चित्रों एवं आकृतियों के अपेक्षाकृत जटिल पैटर्न (पाठ्य सामग्री के अनुसार) खोज पाना एवं दिए गए पैटर्न को आगे बढ़ा पाना।	I																									
	II																									
विविध भौतिक राशियों के मापन सम्बन्धी आँकड़े संकलित कर पाना एवं व्यवस्थित कर तुलनाएँ कर पाना।	I																									
	II																									

पूर्व कक्षा से सम्बन्धित बुनियादी दक्षताओं के सापेक्ष मासिक समेकित रचनात्मक आकलन

कक्षा –1 विद्यार्थियों के रोल नम्बर → *संख्या ज्ञान एवं **संक्रियाओं के सूचक	माह																								
* 1 से 50 तक संख्या नाम सुनकर और संख्या पढ़कर चीज़ों की मात्रा गिनकर बता पाना।	I																								
	II																								
1 से 50 तक संख्या नाम सुनकर एवं चीज़ों को गिनकर संख्या लिख पाना।	I																								
	II																								
1 से 20 तक संख्याओं में क्रम को ध्यान में रखकर छोटी–बड़ी, ठीक पहले–ठीक बाद की संख्या बता पाना।	I																								
	II																								
** दहाई की संख्या में इकाई की संख्या का बिना हासिल का जोड़–घटाव मौखिक हल कर पाना।	I																								
	II																								
20 तक की संख्याओं के लिए उक्त जोड़–घटाव को लिखित में हल कर पाना।	I																								
	II																								
एकल संक्रिया आधारित सरलतम इबारत को पढ़कर जोड़–घटाव की पहचान कर पाना एवं प्रश्न को हल कर पाना।	I																								
	II																								
कक्षा –2 विद्यार्थियों के रोल नम्बर → *संख्या ज्ञान एवं **संक्रियाओं के सूचक	माह																								
* 1 से 100 तक संख्या नाम सुनकर और पढ़कर चीज़ों की मात्रा गिनकर बता पाना।	I																								
	II																								
संख्या नाम सुनकर एवं गिनकर 1 से 100 तक संख्यांक लिख पाना तथा संख्याओं की तुलना कर पाना।	I																								
	II																								
दहाई की अवधारणा की प्रारम्भिक समझ एवं विविध संख्या समूहों में गिनकर संख्या बनाने की तार्किक समझ बना पाना।	I																								
	II																								
चीज़ों की संख्या का अनुमान 50 तक की संख्या के लिए कम	I																								

अथवा ज्यादा है, के आधार पर लगा पाना।	II																								
**ठोस चीज़ों से दहाई की संख्या में दहाई तक की संख्या का जोड़–घटाव कर पाना, जबकि हासिल अथवा उधार लेना ना हो।	I																								
	II																								
दहाई की संख्याओं में बिना हासिल के जोड़ एवं बिना उधार के घटाव को इबारत सुनकर अथवा पढ़कर पहचान पाना और संक्रिया के हल को गणितीय रूप में निरुपित कर पाना।	I																								
	II																								
संक्रियाओं (जोड़–घटाव) को हल करने हेतु संख्या रेखा की प्रारम्भिक समझ व अनुप्रयोग कर पाना।	I																								
	II																								
कक्षा – 3 विद्यार्थियों के रोल नम्बर → *संख्या ज्ञान एवं **संक्रियाओं के सूचक	माह																								
* 1 से 100 तक की संख्याओं को पहचान पाना एवं संख्या रेखा पर निरुपित कर पाना।	I																								
	II																								
स्थानीय मान की समझ के आधार पर तीन अंको तक की संख्याओं का निरुपण कर पाना, विस्तारित रूप एवं अंकों से शब्दों में लिख पाना, संख्या पढ़ पाना और संख्याओं की तुलनाएं कर पाना।	I																								
	II																								
ठोस में बण्डल व खुल्ले (दहाई व इकाई) को समझते हुए दहाई तक की संख्या का अनुमान लगा पाना।	I																								
	II																								
** तीन अंकों तक की संख्याओं का बिना हासिल व हासिल का जोड़ना एवं बिना उधार व उधार का घटाना स्थानीय मान के तर्क को समझते हुए कलन विधि से कर पाना।	I																								
	II																								
हासिल के जोड़ने एवं उधार के घटाने पर आधारित इबारती प्रश्नों की इबारत पढ़कर व सुनकर संक्रिया के हल को गणितीय रूप में निरुपित कर पाना।	I																								
	II																								
चित्र व प्रतीकों की मदद से गुणा की समझ बना पाना एवं 2 से 5 तक पहाड़े तथा गुणन खण्ड़ों की प्रारम्भिक समझ बना पाना।	I																								
	II																								
दहाई में इकाई के गुणा पर आधारित इबारती प्रश्नों की इबारत पढ़कर व सुनकर संक्रिया के हल को गणितीय रूप में निरुपित कर पाना।	I																								
	II																								

योजना क्रमांक :	I. सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक ..... से ..... तक

पाठ / इकाई : ..... अवधारणा / थीम : .....

सम्पूर्ण कक्षा समूह के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. समूह कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

उपसमूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	

II. उपसमूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

उपसमूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य :

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. समूह कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

बच्चों के सीखने की प्रक्रिया एवं उपलब्धि के सन्दर्भ में शिक्षण योजना की समीक्षा

प्रथम सप्ताह : समयान्तराल ..... से ..... तक	द्वितीय सप्ताह : समयान्तराल ..... से ..... तक
1. कार्य के दौरान बच्चों की सहभागिता की स्थिति के बारे में :–	1. कार्य के दौरान बच्चों की सहभागिता की स्थिति के बारे में :–
2. बच्चों को आ रही कठिनाई के बारे में :–	2. बच्चों को आ रही कठिनाई के बारे में :–
3. अनुभव एवं स्वआकलन :–	3. अनुभव एवं स्वआकलन :–
4. योजना में किए गए बदलाव के बारे में :–	4. बच्चों के अधिगम उपलब्धि के बारे में :–

द्वितीय टर्म

क्रम संख्या	अधिगम क्षेत्र	पाठ्यक्रम आधारित अधिगम उद्देश्य	राज्य पाठ्यपुस्तक में पाठ संदर्भ	
			पाठ	पृष्ठ संख्या
1	**आकृति एवं स्थान**	• टॉप व्यू/साइड़ व्यू शब्दों की समझ बना सकें, वस्तुओं के टॉप व्यू/साइड़ व्यू के चित्र बना सकें एवं किसी जगह/स्कूल/गाँव आदि के टॉप व्यू से परिचय समझ के साथ करा सकें। • नज़री नक्शे को पढ़ सकें, नज़री नक्शे को बना सकें एवं नक्शे को समझकर उससे सम्बन्धित प्रश्नों के जवाब समझ के साथ दे सकें।	13 व 17	39–41, 54–57
2	**संख्या ज्ञान**	• छोटी–बड़ी, कम–ज्यादा समझ के साथ बता सकें एवं >, <, = चिह्न लगा सकें तथा संख्या रेखा समझ के साथ बना सकें। • तीन अंकों की संख्या समझ के साथ लिख सकें एवं संख्या मान व नाम को समझ सकें।	11, 12 व 20	31–38, 65
3	**संक्रियाएँ**	• व्यावहारिक अनुभवों से एक ही संख्या के बार–बार के जोड़ के रूप में गुणा की अवधारणात्मक समझ बना सकें।	16 व 18	51–53, 58–60
4	**मापन इकाइयाँ**	• अमानक इकाइयों द्वारा वस्तुएँ/जगह को समझ के साथ माप सकें। दूरी/लम्बाई का अनुमान लगा सकें एवं अमानक इकाई द्वारा सत्यता की जाँच कर सकें। अमानक से मानक इकाई की आवश्यकता को समझ सकें। • चीज़ों के भारों की तुलना में तराजू की आवश्यकता को समझ सकें। ग्राम, किलोग्राम के सम्बन्ध को समझ सकें एवं संक्रियाएँ करते हुए तुलना कर सकें। • कैलेण्डर को पढ़ कर समझ सकें। दिन, सप्ताह, महीना, साल की समझ तथा इनके बीच सम्बन्ध समझ सकें। दो तारीखों के बीच के समय की गणना कर सकें।	14, 15 व 19	42–50, 61–64

मासिक समेकित रचनात्मक आकलन

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	माह	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25
आकृति एवं स्थान																										
नज़री नक्शे को देखकर चीज़ों एवं जगहों की सापेक्ष स्थिति बता पाना।	I																									
	II																									
सरल अमूर्त आकृतियों में सममिति खोज पाना। जैसे– अंग्रेजी वर्ण एवं शब्द, रोमन संख्यांक एवं आइने की सहायता से चित्रों एवं डिज़ाइन आदि की सममित अक्ष खोज पाना।	I																									
	II																									
अपेक्षाकृत बड़ी एवं थोड़ी जटिल आकृति वाली चीज़ों को ऊपर से व सामने से विजुअलाइज़ कर पाना। जैसे– बस व घर आदि।	I																									
	II																									
संख्या ज्ञान																										
अपेक्षाकृत बढ़ते स्तर पर तीन अंकों तक की संख्याओं की पुख्ता समझ बना पाना।	I																									
	II																									
999 तक की संख्याओं को संख्या रेखा पर निरुपित कर पाना एवं संख्या रेखा की रचना कर पाना।	I																									
	II																									
संक्रियाएँ																										
तीन अंकों की संख्याओं में हासिल का जोड़ एवं उधार का घटाना कलन विधि से कर पाना।	I																									
	II																									

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	माह	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25
तीन अंकों की संख्याओं के जोड़–घटा के इबारती प्रश्नों की इबारत पढ़कर संक्रिया के हल को गणितीय रूप में निरुपित कर पाना।	I																									
	II																									
गुणा की अवधारणात्मक समझ बना पाना।	I																									
	II																									
मापन इकाइयाँ																										
मानक इकाइयों में मापन करने, संक्रियाएँ करने एवं तुलनाएँ करने की समझ बना पाना।	I																									
	II																									
चीज़ों की मात्रा को मापने के लिए मानक इकाइयों की आवश्यकता महसूस कर पाना एवं मात्रा का मानक इकाइयों में अनुमान लगा पाना एवं मापकर सही होने की पुष्टि कर पाना।	I																									
	II																									
दो तिथियों के बीच के समय की गणना कर पाना। जैसे– जन्म तिथि से उम्र की गणना कर पाना।	I																									
	II																									
आँकड़ों का प्रबन्धन एवं पैटर्न (दोहरान)																										
चित्रों एवं आकृतियों के अपेक्षाकृत जटिल पैटर्न खोज पाना एवं उन्हें समझ के साथ आगे बढ़ा पाना।	I																									
	II																									
विविध भौतिक राशियों के मापन सम्बन्धी आँकड़े संकलित कर पाना एवं व्यवस्थित कर तुलनाएँ कर पाना।	I																									
	II																									

मासिक समेकित रचनात्मक आकलन

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	माह	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50
आकृति एवं स्थान																										
नज़री नक्शे को देखकर चीज़ों एवं जगहों की सापेक्ष स्थिति बता पाना।	I																									
	II																									
सरल अमूर्त आकृतियों में सममिति खोज पाना। जैसे– अंग्रेजी वर्ण एवं शब्द, रोमन संख्यांक एवं आइने की सहायता से चित्रों एवं डिज़ाइन आदि की सममित अक्ष खोज पाना।	I																									
	II																									
अपेक्षाकृत बड़ी एवं थोड़ी जटिल आकृति वाली चीज़ों को ऊपर से व सामने से विजुअलाइज़ कर पाना। जैसे– बस व घर आदि।	I																									
	II																									
संख्या ज्ञान																										
अपेक्षाकृत बढ़ते स्तर पर तीन अंकों तक की संख्याओं की पुख्ता समझ बना पाना।	I																									
	II																									
999 तक की संख्याओं को संख्या रेखा पर निरुपित कर पाना एवं संख्या रेखा की रचना कर पाना।	I																									
	II																									
संक्रियाएँ																										
तीन अंकों की संख्याओं में हासिल का जोड़ एवं उधार का घटाना कलन विधि से कर पाना।	I																									
	II																									

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	माह	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50
तीन अंकों की संख्याओं के जोड़–घटा के इबारती प्रश्नों की इबारत पढ़कर संक्रिया के हल को गणितीय रूप में निरुपित कर पाना।	I																									
	II																									
गुणा की अवधारणात्मक समझ बना पाना।	I																									
	II																									
मापन इकाइयाँ																										
मानक इकाइयों में मापन करने, संक्रियाएँ करने एवं तुलनाएँ करने की समझ बना पाना।	I																									
	II																									
चीज़ों की मात्रा को मापने के लिए मानक इकाइयों की आवश्यकता महसूस कर पाना एवं मात्रा का मानक इकाइयों में अनुमान लगा पाना एवं मापकर सही होने की पुष्टि कर पाना।	I																									
	II																									
दो तिथियों के बीच के समय की गणना कर पाना। जैसे– जन्म तिथि से उम्र की गणना कर पाना।	I																									
	II																									
आँकड़ों का प्रबन्धन एवं पैटर्न (दोहरान)																										
चित्रों एवं आकृतियों के अपेक्षाकृत जटिल पैटर्न खोज पाना एवं उन्हें समझ के साथ आगे बढ़ा पाना।	I																									
	II																									
विविध भौतिक राशियों के मापन सम्बन्धी आँकड़े संकलित कर पाना एवं व्यवस्थित कर तुलनाएँ कर पाना।	I																									
	II																									

पूर्व कक्षा से सम्बन्धित बुनियादी दक्षताओं के सापेक्ष मासिक समेकित रचनात्मक आकलन

कक्षा –1 विद्यार्थियों के रोल नम्बर → *संख्या ज्ञान एवं **संक्रियाओं के सूचक	माह																								
* 1 से 50 तक संख्या नाम सुनकर और संख्या पढ़कर चीज़ों की मात्रा गिनकर बता पाना।	I																								
	II																								
1 से 50 तक संख्या नाम सुनकर एवं चीज़ों को गिनकर संख्या लिख पाना।	I																								
	II																								
1 से 20 तक संख्याओं में क्रम को ध्यान में रखकर छोटी–बड़ी, ठीक पहले–ठीक बाद की संख्या बता पाना।	I																								
	II																								
** दहाई की संख्या में इकाई की संख्या का बिना हासिल का जोड़–घटाव मौखिक हल कर पाना।	I																								
	II																								
20 तक की संख्याओं के लिए उक्त जोड़–घटाव को लिखित में हल कर पाना।	I																								
	II																								
एकल संक्रिया आधारित सरलतम इबारत को पढ़कर जोड़–घटाव की पहचान कर पाना एवं प्रश्न को हल कर पाना।	I																								
	II																								
कक्षा –2 विद्यार्थियों के रोल नम्बर → *संख्या ज्ञान एवं **संक्रियाओं के सूचक	माह																								
* 1 से 100 तक संख्या नाम सुनकर और पढ़कर चीज़ों की मात्रा गिनकर बता पाना।	I																								
	II																								
संख्या नाम सुनकर एवं गिनकर 1 से 100 तक संख्यांक लिख पाना तथा संख्याओं की तुलना कर पाना।	I																								
	II																								
दहाई की अवधारणा की प्रारम्भिक समझ एवं विविध संख्या समूहों में गिनकर संख्या बनाने की तार्किक समझ बना पाना।	I																								
	II																								
चीज़ों की संख्या का अनुमान 50 तक की संख्या के लिए कम अथवा ज्यादा है, के आधार पर लगा पाना।	I																								
	II																								

**ठोस चीज़ों से दहाई की संख्या में दहाई तक की संख्या का जोड़–घटाव कर पाना, जबकि हासिल अथवा उधार लेना ना हो।	I																									
	II																									
दहाई की संख्याओं में बिना हासिल के जोड़ एवं बिना उधार के घटाव को इबारत सुनकर अथवा पढ़कर पहचान पाना और संक्रिया के हल को गणितीय रूप में निरुपित कर पाना।	I																									
	II																									
संक्रियाओं (जोड़–घटाव) को हल करने हेतु संख्या रेखा की प्रारम्भिक समझ व अनुप्रयोग कर पाना।	I																									
	II																									
कक्षा – 3 विद्यार्थियों के रोल नम्बर → *संख्या ज्ञान एवं **संक्रियाओं के सूचक	माह																									
* 1 से 100 तक की संख्याओं को पहचान पाना एवं संख्या रेखा पर निरुपित कर पाना।	I																									
	II																									
स्थानीय मान की समझ के आधार पर तीन अंको तक की संख्याओं का निरुपण कर पाना, विस्तारित रूप एवं अंकों से शब्दों में लिख पाना, संख्या पढ़ पाना और संख्याओं की तुलनाएं कर पाना।	I																									
	II																									
ठोस में बण्डल व खुल्ले (दहाई व इकाई) को समझते हुए दहाई तक की संख्या का अनुमान लगा पाना।	I																									
	II																									
** तीन अंकों तक की संख्याओं का बिना हासिल व हासिल का जोड़ना एवं बिना उधार व उधार का घटाना स्थानीय मान के तर्क को समझते हुए कलन विधि से कर पाना।	I																									
	II																									
हासिल के जोड़ने एवं उधार के घटाने पर आधारित इबारती प्रश्नों की इबारत पढ़कर व सुनकर संक्रिया के हल को गणितीय रूप में निरुपित कर पाना।	I																									
	II																									
चित्र व प्रतीकों की मदद से गुणा की समझ बना पाना एवं 2 से 5 तक पहाड़े तथा गुणन खण्ड़ों की प्रारम्भिक समझ बना पाना।	I																									
	II																									
दहाई में इकाई के गुणा पर आधारित इबारती प्रश्नों की इबारत पढ़कर व सुनकर संक्रिया के हल को गणितीय रूप में निरुपित कर पाना।	I																									
	II																									

द्वितीय टर्म तक समेकित रचनात्मक आकलन

शिक्षाक्रमणीय उद्देश्यों के सापेक्ष उच्च स्तरीय कौशलों के सूचक

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25
गणितीय तर्कशीलता एवं अधिसंज्ञान																									
सवालों को हल करने के वैकल्पिक तरीकों को समझ पाना।																									
स्वयं प्रयास करके नए सवाल बना पाना।																									
सवालों को हल करने में अन्य साथियों की सहायता कर पाना। (ना केवल उत्तर बता पाना बल्कि उदाहरणों से समझा पाना)																									
सवालों में की गई त्रुटि के स्रोत (मूल कारण) को पकड़ पाना।																									
स्वयं के स्तर पर अपनी गलतियों की समीक्षा एवं सुधार कर पाना।																									
गणितीय संप्रेषण एवं अभिव्यक्ति																									
सवालों को स्वयं ने कैसे हल किया इसे समझा पाना।																									
अन्य द्वारा समझाए गए हलों/समाधानों को सुनकर समझ पाना व लागू कर पाना।																									
गणित के प्रति रुझान																									
गणितीय समस्याओं/प्रश्नों को हल करने में आनन्द ले पाना।																									
नई समस्याओं/प्रश्नों को हल करने में आत्मविश्वास एवं इच्छा को प्रकट कर पाना।																									
किसी समस्या/प्रश्न को हल करने का सम्पूर्ण प्रयास जारी रख पाना एवं आसानी से बीच में ही नहीं छोड़ पाना।																									

द्वितीय टर्म तक समेकित रचनात्मक आकलन

शिक्षाक्रमणीय उद्देश्यों के सापेक्ष उच्च स्तरीय कौशलों के सूचक

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50
गणितीय तर्कशीलता एवं अधिसंज्ञान																									
सवालों को हल करने के वैकल्पिक तरीकों को समझ पाना।																									
स्वयं प्रयास करके नए सवाल बना पाना।																									
सवालों को हल करने में अन्य साथियों की सहायता कर पाना। (ना केवल उत्तर बता पाना बल्कि उदाहरणों से समझा पाना)																									
सवालों में की गई त्रुटि के स्रोत (मूल कारण) को पकड़ पाना।																									
स्वयं के स्तर पर अपनी गलतियों की समीक्षा एवं सुधार कर पाना।																									
गणितीय संप्रेषण एवं अभिव्यक्ति																									
सवालों को स्वयं ने कैसे हल किया इसे समझा पाना।																									
अन्य द्वारा समझाए गए हलों/समाधानों को सुनकर समझ पाना व लागू कर पाना।																									
गणित के प्रति रुझान																									
गणितीय समस्याओं/प्रश्नों को हल करने में आनन्द ले पाना।																									
नई समस्याओं/प्रश्नों को हल करने में आत्मविश्वास एवं इच्छा को प्रकट कर पाना।																									
किसी समस्या/प्रश्न को हल करने का सम्पूर्ण प्रयास जारी रख पाना एवं आसानी से बीच में ही नहीं छोड़ पाना।																									

तृतीय टर्म

क्रम संख्या	अधिगम क्षेत्र	पाठ्यक्रम आधारित अधिगम उद्देश्य	राज्य पाठ्यपुस्तक में पाठ संदर्भ	
			पाठ	पृष्ठ संख्या
1	**आकृति एवं स्थान**	• सममिति को परिवेशीय संदर्भों में खोज सकें एवं सममिति होने के लिए तर्क दे सकें।	28	89–90
2	**संख्या ज्ञान**	• चीज़ों के बराबर बँटवारे से भिन्न की स्थिति को समझ सकें, $\frac{1}{2}$ व $\frac{1}{4}$ की समझ बना सकें, दो भिन्नों की तुलना कर सकें एवं यह समझ सकें कि किसी भिन्न के कितने टुकड़े मिलकर पूर्ण बना सकेंगे।	23	72–75
3	**संक्रियाएँ**	• परिवेशीय संदर्भों में गुणा की स्थितियों को समझ सकें एवं चिर–परिचित तरीके से गुणा कर सकें। • अलग–अलग तरीकों से जोड़ने–घटाने की संक्रिया कर सकें एवं जोड़ने–घटाने की कलन विधि से समस्या समाधान कर सकें। • गुणा करने के अलग–अलग तरीके यथा– क्रम विनिमेयता को समझ सकें तथा बंटन गुणधर्म द्वारा समस्या समाधान कर सकें।	24, 26, 27, 29, 30 व 31	76–78, 83–88, 91–97
4	**मापन इकाइयाँ**	• ग्राफ पेपर की मदद से समझ सकें कि किस चीज़ ने ज्यादा एवं किसने कम जगह घेरी है। • मानक इकाइयों में धारिता का अनुमान लगा सकें तथा लीटर, मिलीलीटर के विचार को समझ सकें एवं मात्रा की गणना कर सकें।	22 व 25	68–71, 79–82
5	**आँकड़ों का प्रबंधन एवं पैटर्न**	• संख्याओं के पैटर्न को समझ सकें एवं समझ के साथ उन्हें आगे बढ़ा सकें।	21	66–67

मासिक समेकित रचनात्मक आकलन

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	माह	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25
आकृति एवं स्थान																										
नज़री नक्शे को देखकर चीज़ों एवं जगहों की सापेक्ष स्थिति बता पाना।	I																									
	II																									
सरल अमूर्त आकृतियों में सममिति खोज पाना। जैसे– अंग्रेजी वर्ण एवं शब्द, रोमन संख्यांक एवं आइने की सहायता से चित्रों एवं डिज़ाइन आदि की सममित अक्ष खोज पाना।	I																									
	II																									
अपेक्षाकृत बड़ी एवं थोड़ी जटिल आकृति वाली चीज़ों को ऊपर से व सामने से विजुअलाइज़ कर पाना। जैसे– बस व घर आदि।	I																									
	II																									
सममिति को परिवेशीय संदर्भों में खोज पाना एवं सममिति होने के लिए तर्क दे पाना।	I																									
	II																									
संख्या ज्ञान																										
अपेक्षाकृत बढ़ते स्तर पर तीन अंकों तक की संख्याओं की पुख्ता समझ बना पाना।	I																									
	II																									
999 तक की संख्याओं को संख्या रेखा पर निरुपित कर पाना एवं संख्या रेखा की रचना कर पाना।	I																									
	II																									
भिन्न की प्रारम्भिक अवधारणात्मक समझ रख पाना एवं तुलनाएँ कर पाना। जैसे– ठोस व चित्रों से।	I																									
	II																									
संक्रियाएँ																										
तीन अंकों की संख्याओं में हासिल का जोड़ एवं उधार का घटाना कलन विधि से कर पाना।	I																									
	II																									

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	माह	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25
तीन अंकों की संख्याओं के जोड़–घटा के इबारती प्रश्नों की इबारत पढ़कर संक्रिया के हल को गणितीय रूप में निरुपित कर पाना।	I																									
	II																									
दहाई में दहाई का गुणा की अवधारणात्मक समझ ठोस व चित्रों की सहायता से बंटन विधि एवं कलन विधि से निरुपित कर बना पाना।	I																									
	II																									
बार–बार घटाने के रूप में भाग को ठोस चीज़ों के द्वारा कर पाना।	I																									
	II																									
मापन इकाइयाँ																										
मानक इकाइयों में मापन करने एवं तुलनाएँ करने की समझ बना पाना।	I																									
	II																									
चीज़ों की मात्रा का मानक इकाइयों में अनुमान लगा पाना एवं मापकर सही होने की पुष्टि कर पाना।	I																									
	II																									
दो तिथियों के बीच के समय की गणना कर पाना। जैसे– जन्म तिथि से उम्र की गणना कर पाना।	I																									
	II																									
नैट (ग्राफ) पर सरल आकृतियों वाले चित्र एवं आकृतियों के क्षेत्रफल का अनुमान लगा पाना एवं खाने गिनकर सही होने की पुष्टि कर पाना।	I																									
	II																									
आँकड़ों का प्रबन्धन एवं पैटर्न (दोहरान)																										
चित्रों एवं आकृतियों के अपेक्षाकृत जटिल पैटर्न खोज पाना एवं उन्हें आगे बढ़ा पाना।	I																									
	II																									
विविध भौतिक राशियों के मापन सम्बन्धी आँकड़े संकलित कर पाना एवं व्यवस्थित कर तुलनाएँ कर पाना।	I																									
	II																									
संख्याओं में पहाड़ों से बने पैटर्न, जोड़–घटा से बने सरल पैटर्न को खोज पाना एवं दिए पैटर्न को आगे बढ़ा पाना।	I																									
	II																									

मासिक समेकित रचनात्मक आकलन

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	माह	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50
आकृति एवं स्थान																										
नज़री नक्शे को देखकर चीज़ों एवं जगहों की सापेक्ष स्थिति बता पाना।	I																									
	II																									
सरल अमूर्त आकृतियों में सममिति खोज पाना। जैसे– अंग्रेजी वर्ण एवं शब्द, रोमन संख्यांक एवं आइने की सहायता से चित्रों एवं डिज़ाइन आदि की सममित अक्ष खोज पाना।	I																									
	II																									
अपेक्षाकृत बड़ी एवं थोड़ी जटिल आकृति वाली चीज़ों को ऊपर से व सामने से विजुअलाइज़ कर पाना। जैसे– बस व घर आदि।	I																									
	II																									
सममिति को परिवेशीय संदर्भों में खोज पाना एवं सममिति होने के लिए तर्क दे पाना।	I																									
	II																									
संख्या ज्ञान																										
अपेक्षाकृत बढ़ते स्तर पर तीन अंकों तक की संख्याओं की पुख्ता समझ बना पाना।	I																									
	II																									
999 तक की संख्याओं को संख्या रेखा पर निरुपित कर पाना एवं संख्या रेखा की रचना कर पाना।	I																									
	II																									
भिन्न की प्रारम्भिक अवधारणात्मक समझ रख पाना एवं तुलनाएँ कर पाना। जैसे– ठोस व चित्रों से।	I																									
	II																									
संक्रियाएँ																										
तीन अंकों की संख्याओं में हासिल का जोड़ एवं उधार का घटाना कलन विधि से कर पाना।	I																									
	II																									

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	माह	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50
तीन अंकों की संख्याओं के जोड़–घटा के इबारती प्रश्नों की इबारत पढ़कर संक्रिया के हल को गणितीय रूप में निरुपित कर पाना।	I																									
	II																									
दहाई में दहाई का गुणा की अवधारणात्मक समझ ठोस व चित्रों की सहायता से बंटन विधि एवं कलन विधि से निरुपित कर बना पाना।	I																									
	II																									
बार–बार घटाने के रूप में भाग को ठोस चीज़ों के द्वारा कर पाना।	I																									
	II																									
मापन इकाइयाँ																										
मानक इकाइयों में मापन करने एवं तुलनाएँ करने की समझ बना पाना।	I																									
	II																									
चीज़ों की मात्रा का मानक इकाइयों में अनुमान लगा पाना एवं मापकर सही होने की पुष्टि कर पाना।	I																									
	II																									
दो तिथियों के बीच के समय की गणना कर पाना। जैसे– जन्म तिथि से उम्र की गणना कर पाना।	I																									
	II																									
नैट (ग्राफ) पर सरल आकृतियों वाले चित्र एवं आकृतियों के क्षेत्रफल का अनुमान लगा पाना एवं खाने गिनकर सही होने की पुष्टि कर पाना।	I																									
	II																									
आँकड़ों का प्रबन्धन एवं पैटर्न (दोहरान)																										
चित्रों एवं आकृतियों के अपेक्षाकृत जटिल पैटर्न खोज पाना एवं उन्हें आगे बढ़ा पाना।	I																									
	II																									
विविध भौतिक राशियों के मापन सम्बन्धी आँकड़े संकलित कर पाना एवं व्यवस्थित कर तुलनाएँ कर पाना।	I																									
	II																									
संख्याओं में पहाड़ों से बने पैटर्न, जोड़–घटा से बने सरल पैटर्न को खोज पाना एवं दिए पैटर्न को आगे बढ़ा पाना।	I																									
	II																									

पूर्व कक्षा से सम्बन्धित बुनियादी दक्षताओं के सापेक्ष मासिक समेकित रचनात्मक आकलन

कक्षा –1 विद्यार्थियों के रोल नम्बर → *संख्या ज्ञान एवं **संक्रियाओं के सूचक	माह																								
* 1 से 50 तक संख्या नाम सुनकर और संख्या पढ़कर चीज़ों की मात्रा गिनकर बता पाना।	I																								
	II																								
1 से 50 तक संख्या नाम सुनकर एवं चीज़ों को गिनकर संख्या लिख पाना।	I																								
	II																								
1 से 20 तक संख्याओं में क्रम को ध्यान में रखकर छोटी–बड़ी, ठीक पहले–ठीक बाद की संख्या बता पाना।	I																								
	II																								
** दहाई की संख्या में इकाई की संख्या का बिना हासिल का जोड़–घटाव मौखिक हल कर पाना।	I																								
	II																								
20 तक की संख्याओं के लिए उक्त जोड़–घटाव को लिखित में हल कर पाना।	I																								
	II																								
एकल संक्रिया आधारित सरलतम इबारत को पढ़कर जोड़–घटाव की पहचान कर पाना एवं प्रश्न को हल कर पाना।	I																								
	II																								
कक्षा –2 विद्यार्थियों के रोल नम्बर → *संख्या ज्ञान एवं **संक्रियाओं के सूचक	माह																								
* 1 से 100 तक संख्या नाम सुनकर और पढ़कर चीज़ों की मात्रा गिनकर बता पाना।	I																								
	II																								
संख्या नाम सुनकर एवं गिनकर 1 से 100 तक संख्यांक लिख पाना तथा संख्याओं की तुलना कर पाना।	I																								
	II																								
दहाई की अवधारणा की प्रारम्भिक समझ एवं विविध संख्या समूहों में गिनकर संख्या बनाने की तार्किक समझ बना पाना।	I																								
	II																								
चीज़ों की संख्या का अनुमान 50 तक की संख्या के लिए कम अथवा ज्यादा है, के आधार पर लगा पाना।	I																								
	II																								

**ठोस चीज़ों से दहाई की संख्या में दहाई तक की संख्या का जोड़–घटाव कर पाना, जबकि हासिल अथवा उधार लेना ना हो।	I																								
	II																								
दहाई की संख्याओं में बिना हासिल के जोड़ एवं बिना उधार के घटाव को इबारत सुनकर अथवा पढ़कर पहचान पाना और संक्रिया के हल को गणितीय रूप में निरुपित कर पाना।	I																								
	II																								
संक्रियाओं (जोड़–घटाव) को हल करने हेतु संख्या रेखा की प्रारम्भिक समझ व अनुप्रयोग कर पाना।	I																								
	II																								
कक्षा – 3 विद्यार्थियों के रोल नम्बर → *संख्या ज्ञान एवं **संक्रियाओं के सूचक	माह																								
* 1 से 100 तक की संख्याओं को पहचान पाना एवं संख्या रेखा पर निरुपित कर पाना।	I																								
	II																								
स्थानीय मान की समझ के आधार पर तीन अंको तक की संख्याओं का निरुपण कर पाना, विस्तारित रूप एवं अंकों से शब्दों में लिख पाना, संख्या पढ़ पाना और संख्याओं की तुलनाएं कर पाना।	I																								
	II																								
ठोस में बण्डल व खुल्ले (दहाई व इकाई) को समझते हुए दहाई तक की संख्या का अनुमान लगा पाना।	I																								
	II																								
** तीन अंकों तक की संख्याओं का बिना हासिल व हासिल का जोड़ना एवं बिना उधार व उधार का घटाना स्थानीय मान के तर्क को समझते हुए कलन विधि से कर पाना।	I																								
	II																								
हासिल के जोड़ने एवं उधार के घटाने पर आधारित इबारती प्रश्नों की इबारत पढ़कर व सुनकर संक्रिया के हल को गणितीय रूप में निरुपित कर पाना।	I																								
	II																								
चित्र व प्रतीकों की मदद से गुणा की समझ बना पाना एवं 2 से 5 तक पहाड़े तथा गुणन खण्ड़ों की प्रारम्भिक समझ बना पाना।	I																								
	II																								
दहाई में इकाई के गुणा पर आधारित इबारती प्रश्नों की इबारत पढ़कर व सुनकर संक्रिया के हल को गणितीय रूप में निरुपित कर पाना।	I																								
	II																								

चतुर्थ टर्म

क्रम संख्या	अधिगम क्षेत्र	पाठ्यक्रम आधारित अधिगम उद्देश्य	राज्य पाठ्यपुस्तक में पाठ संदर्भ	
			पाठ	पृष्ठ संख्या
1	**आकृति एवं स्थान**	• त्रिविमीय व द्विविमीय आकृतियों के अन्तर्सम्बन्ध को समझ सकें एवं त्रिविमीय आकृति का द्विआयाम में पृष्ठीय विकास समझ के साथ कर सकें। • त्रिआयामी व द्विआयामी आकृतियों से समझ के साथ चित्र बना सकें।	36 व 38	116–119, 125–127
2	**संख्या ज्ञान**	• तीन अंकों की संख्याओं में ठीक पहले, ठीक बाद की संख्याओं की समझ बना सकें तथा संख्या रेखा पर संख्याओं का निरुपण कर सकें।	35	110–113
3	**संक्रियाएँ**	• भाग व गुणा के अन्तर्सम्बन्ध को समझ सकें एवं मानक प्रचलित कलन विधि से गुणा कर सकें। • संख्या रेखा की मदद से समझ के साथ जोड़ना–घटाना कर सकें। • विविध भौतिक राशियों पर आधारित संक्रियाओं की समस्याएँ समझ कर हल कर सकें।	32, 35 व 39	98–101, 114–115, 128–133
4	**मापन इकाइयाँ**	• ग्राफ पेपर की मदद से परिमाप की समझ बना सकें। • विविध भौतिक राशियों के संदर्भ में उनकी मात्राओं की संख्याओं को समझ सकें एवं उन्हें निरुपित कर सकें।	33 व 37	102–107, 120–124
5	**आँकड़ों का प्रबंधन एवं पैटर्न**	• संख्याओं की संक्रियाओं पर आधारित पैटर्न खोज सकें एवं उन्हें आगे बढ़ा सकें।	34	108–109

मासिक समेकित रचनात्मक आकलन

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	माह	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25
आकृति एवं स्थान																										
नज़री नक्शे को देखकर चीज़ों एवं जगहों की सापेक्ष स्थिति बता पाना।	I																									
	II																									
सरल अमूर्त आकृतियों में सममिति खोज पाना। जैसे– अंग्रेजी वर्ण एवं शब्द, रोमन संख्यांक आदि।	I																									
	II																									
अपेक्षाकृत बड़ी एवं थोड़ी जटिल आकृति वाली चीज़ों को ऊपर से व सामने से विजुअलाइज़ कर पाना। जैसे–बस व घर आदि।	I																									
	II																									
आइने की सहायता से चित्रों एवं डिज़ाइन की सममित अक्ष खोज पाना।	I																									
	II																									
घन, घनाभ एवं बेलन के पृष्ठीय विकास को समझ पाना एवं ट्रेसिंग से रचना कर पाना।	I																									
	II																									
संख्या ज्ञान																										
अपेक्षाकृत बढ़ते स्तर पर तीन अंकों तक की संख्याओं की पुख्ता समझ बना पाना।	I																									
	II																									
999 तक की संख्याओं को संख्या रेखा पर निरुपित कर पाना एवं संख्या रेखा की रचना कर पाना।	I																									
	II																									
भिन्न की प्रारम्भिक अवधारणात्मक समझ बना पाना एवं तुलनाएँ कर पाना। जैसे– ठोस व चित्रों से।	I																									
	II																									
गिनती (क्रमागत संख्याओं) के सरल परिवेशीय अनुप्रयोग कर पाना। जैसे– पुस्तकालय में अमुक पुस्तक नम्बर की पुस्तक ढूँढ़ पाना।	I																									
	II																									
संक्रियाएँ																										
तीन अंकों की संख्याओं में हासिल का जोड़ एवं उधार का घटाना कलन विधि से कर पाना।	I																									
	II																									

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	माह	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25
तीन अंकों की संख्याओं के जोड़–घटा के इबारती प्रश्नों की इबारत पढ़कर संक्रिया के हल को गणितीय रूप में निरुपित कर पाना।	I																									
	II																									
दहाई में दहाई का गुणा की अवधारणात्मक समझ ठोस व चित्रों की सहायता से बंटन विधि एवं कलन विधि से निरुपित कर बना पाना।	I																									
	II																									
बार–बार घटाने के रूप में भाग को ठोस चीज़ों के द्वारा कर पाना।	I																									
	II																									
मापन इकाइयाँ																										
मानक इकाइयों में मापन करने एवं तुलनाएँ करने की समझ बना पाना।	I																									
	II																									
चीज़ों की मात्रा को मापने के लिए मानक इकाइयों की जरूरत महसूस कर पाना एवं मात्रा का मानक इकाइयों में अनुमान लगा पाना एवं मापकर सही होने की पुष्टि कर पाना।	I																									
	II																									
दो तिथियों के बीच के समय की गणना कर पाना। जैसे– जन्म तिथि से उम्र की गणना कर पाना।	I																									
	II																									
नैट (ग्राफ) पर सरल आकृतियों वाले चित्र एवं आकृतियों के क्षेत्रफल का अनुमान लगा पाना एवं खाने गिनकर सही होने की पुष्टि कर पाना।	I																									
	II																									
मानक इकाइयों से परिमाप की गणना करने की समझ बना पाना।	I																									
	II																									
आँकड़ों का प्रबन्धन एवं पैटर्न (दोहरान)																										
चित्रों एवं आकृतियों के अपेक्षाकृत जटिल पैटर्न खोज पाना एवं उन्हें आगे बढ़ा पाना।	I																									
	II																									
विविध भौतिक राशियों के मापन सम्बन्धी आँकड़े संकलित कर पाना एवं व्यवस्थित कर तुलनाएँ कर पाना।	I																									
	II																									
संख्याओं के पहाड़ों से बने पैटर्न, जोड़–घटा से बने सरल पैटर्न को खोज पाना एवं उन्हें आगे बढ़ा पाना।	I																									
	II																									

मासिक समेकित रचनात्मक आकलन

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	माह	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50
आकृति एवं स्थान																										
नज़री नक्शे को देखकर चीज़ों एवं जगहों की सापेक्ष स्थिति बता पाना।	I																									
	II																									
सरल अमूर्त आकृतियों में सममिति खोज पाना। जैसे– अंग्रेजी वर्ण एवं शब्द, रोमन संख्यांक आदि।	I																									
	II																									
अपेक्षाकृत बड़ी एवं थोड़ी जटिल आकृति वाली चीज़ों को ऊपर से व सामने से विजुअलाइज़ कर पाना। जैसे–बस व घर आदि।	I																									
	II																									
आइने की सहायता से चित्रों एवं डिज़ाइन की सममित अक्ष खोज पाना।	I																									
	II																									
घन, घनाभ एवं बेलन के पृष्ठीय विकास को समझ पाना एवं ट्रेसिंग से रचना कर पाना।	I																									
	II																									
संख्या ज्ञान																										
अपेक्षाकृत बढ़ते स्तर पर तीन अंकों तक की संख्याओं की पुख्ता समझ बना पाना।	I																									
	II																									
999 तक की संख्याओं को संख्या रेखा पर निरुपित कर पाना एवं संख्या रेखा की रचना कर पाना।	I																									
	II																									
भिन्न की प्रारम्भिक अवधारणात्मक समझ बना पाना एवं तुलनाएँ कर पाना। जैसे– ठोस व चित्रों से।	I																									
	II																									
गिनती (क्रमागत संख्याओं) के सरल परिवेशीय अनुप्रयोग कर पाना। जैसे– पुस्तकालय में अमुक पुस्तक नम्बर की पुस्तक ढूँढ़ पाना।	I																									
	II																									
संक्रियाएँ																										
तीन अंकों की संख्याओं में हासिल का जोड़ एवं उधार का घटाना कलन विधि से कर पाना।	I																									
	II																									

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	माह	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50
तीन अंकों की संख्याओं के जोड़–घटा के इबारती प्रश्नों की इबारत पढ़कर संक्रिया के हल को गणितीय रूप में निरुपित कर पाना।	I																									
	II																									
दहाई में दहाई का गुणा की अवधारणात्मक समझ ठोस व चित्रों की सहायता से बंटन विधि एवं कलन विधि से निरुपित कर बना पाना।	I																									
	II																									
बार–बार घटाने के रूप में भाग को ठोस चीज़ों के द्वारा कर पाना।	I																									
	II																									
मापन इकाइयाँ																										
मानक इकाइयों में मापन करने एवं तुलनाएँ करने की समझ बना पाना।	I																									
	II																									
चीज़ों की मात्रा को मापने के लिए मानक इकाइयों की जरूरत महसूस कर पाना एवं मात्रा का मानक इकाइयों में अनुमान लगा पाना एवं मापकर सही होने की पुष्टि कर पाना।	I																									
	II																									
दो तिथियों के बीच के समय की गणना कर पाना। जैसे– जन्म तिथि से उम्र की गणना कर पाना।	I																									
	II																									
नैट (ग्राफ) पर सरल आकृतियों वाले चित्र एवं आकृतियों के क्षेत्रफल का अनुमान लगा पाना एवं खाने गिनकर सही होने की पुष्टि कर पाना।	I																									
	II																									
मानक इकाइयों से परिमाप की गणना करने की समझ बना पाना।	I																									
	II																									
आँकड़ों का प्रबन्धन एवं पैटर्न (दोहरान)																										
चित्रों एवं आकृतियों के अपेक्षाकृत जटिल पैटर्न खोज पाना एवं उन्हें आगे बढ़ा पाना।	I																									
	II																									
विविध भौतिक राशियों के मापन सम्बन्धी आँकड़े संकलित कर पाना एवं व्यवस्थित कर तुलनाएँ कर पाना।	I																									
	II																									
संख्याओं के पहाड़ों से बने पैटर्न, जोड़–घटा से बने सरल पैटर्न को खोज पाना एवं उन्हें आगे बढ़ा पाना।	I																									
	II																									

पूर्व कक्षा से सम्बन्धित बुनियादी दक्षताओं के सापेक्ष मासिक समेकित रचनात्मक आकलन

कक्षा –1 विद्यार्थियों के रोल नम्बर → *संख्या ज्ञान एवं **संक्रियाओं के सूचक	माह																								
* 1 से 50 तक संख्या नाम सुनकर और संख्या पढ़कर चीज़ों की मात्रा गिनकर बता पाना।	I																								
	II																								
1 से 50 तक संख्या नाम सुनकर एवं चीज़ों को गिनकर संख्या लिख पाना।	I																								
	II																								
1 से 20 तक संख्याओं में क्रम को ध्यान में रखकर छोटी–बड़ी, ठीक पहले–ठीक बाद की संख्या बता पाना।	I																								
	II																								
** दहाई की संख्या में इकाई की संख्या का बिना हासिल का जोड़–घटाव मौखिक हल कर पाना।	I																								
	II																								
20 तक की संख्याओं के लिए उक्त जोड़–घटाव को लिखित में हल कर पाना।	I																								
	II																								
एकल संक्रिया आधारित सरलतम इबारत को पढ़कर जोड़–घटाव की पहचान कर पाना एवं प्रश्न को हल कर पाना।	I																								
	II																								
कक्षा –2 विद्यार्थियों के रोल नम्बर → *संख्या ज्ञान एवं **संक्रियाओं के सूचक	माह																								
* 1 से 100 तक संख्या नाम सुनकर और पढ़कर चीज़ों की मात्रा गिनकर बता पाना।	I																								
	II																								
संख्या नाम सुनकर एवं गिनकर 1 से 100 तक संख्यांक लिख पाना तथा संख्याओं की तुलना कर पाना।	I																								
	II																								
दहाई की अवधारणा की प्रारम्भिक समझ एवं विविध संख्या समूहों में गिनकर संख्या बनाने की तार्किक समझ बना पाना।	I																								
	II																								
चीज़ों की संख्या का अनुमान 50 तक की संख्या के लिए कम अथवा ज्यादा है, के आधार पर लगा पाना।	I																								
	II																								

**ठोस चीज़ों से दहाई की संख्या में दहाई तक की संख्या का जोड़–घटाव कर पाना, जबकि हासिल अथवा उधार लेना ना हो।	I																								
	II																								
दहाई की संख्याओं में बिना हासिल के जोड़ एवं बिना उधार के घटाव को इबारत सुनकर अथवा पढ़कर पहचान पाना और संक्रिया के हल को गणितीय रूप में निरुपित कर पाना।	I																								
	II																								
संक्रियाओं (जोड़–घटाव) को हल करने हेतु संख्या रेखा की प्रारम्भिक समझ व अनुप्रयोग कर पाना।	I																								
	II																								
कक्षा – 3 *संख्या ज्ञान एवं **संक्रियाओं के सूचक	विद्यार्थियों के रोल नम्बर → माह																								
* 1 से 100 तक की संख्याओं को पहचान पाना एवं संख्या रेखा पर निरुपित कर पाना।	I																								
	II																								
स्थानीय मान की समझ के आधार पर तीन अंको तक की संख्याओं का निरुपण कर पाना, विस्तारित रूप एवं अंकों से शब्दों में लिख पाना, संख्या पढ़ पाना और संख्याओं की तुलनाएं कर पाना।	I																								
	II																								
ठोस में बण्डल व खुल्ले (दहाई व इकाई) को समझते हुए दहाई तक की संख्या का अनुमान लगा पाना।	I																								
	II																								
** तीन अंकों तक की संख्याओं का बिना हासिल व हासिल का जोड़ना एवं बिना उघार व उधार का घटाना स्थानीय मान के तर्क को समझते हुए कलन विधि से कर पाना।	I																								
	II																								
हासिल के जोड़ने एवं उधार के घटाने पर आधारित इबारती प्रश्नों की इबारत पढ़कर व सुनकर संक्रिया के हल को गणितीय रूप में निरुपित कर पाना।	I																								
	II																								
चित्र व प्रतीकों की मदद से गुणा की समझ बना पाना एवं 2 से 5 तक पहाड़े तथा गुणन खण्ड़ों की प्रारम्भिक समझ बना पाना।	I																								
	II																								
दहाई में इकाई के गुणा पर आधारित इबारती प्रश्नों की इबारत पढ़कर व सुनकर संक्रिया के हल को गणितीय रूप में निरुपित कर पाना।	I																								
	II																								

चतुर्थ टर्म तक समेकित रचनात्मक आकलन

शिक्षाक्रमणीय उद्देश्यों के सापेक्ष उच्च स्तरीय कौशलों के सूचक

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25
गणितीय तर्कशीलता एवं अधिसंज्ञान																									
सवालों को हल करने के वैकल्पिक तरीकों को समझ पाना।																									
स्वयं प्रयास करके नए सवाल बना पाना।																									
सवालों को हल करने में अन्य साथियों की सहायता कर पाना। (ना केवल उत्तर बता पाना बल्कि उदाहरणों से समझा पाना)																									
सवालों में की गई त्रुटि के स्रोत (मूल कारण) को पकड़ पाना।																									
स्वयं के स्तर पर अपनी गलतियों की समीक्षा एवं सुधार कर पाना।																									
गणितीय संप्रेषण एवं अभिव्यक्ति																									
सवालों को स्वयं ने कैसे हल किया इसे समझा पाना।																									
अन्य द्वारा समझाए गए हलों/समाधानों को सुनकर समझ पाना व लागू कर पाना।																									
गणित के प्रति रुझान																									
गणितीय समस्याओं/प्रश्नों को हल करने में आनन्द ले पाना।																									
नई समस्याओं/प्रश्नों को हल करने में आत्मविश्वास एवं इच्छा को प्रकट कर पाना।																									
किसी समस्या/प्रश्न को हल करने का सम्पूर्ण प्रयास जारी रख पाना एवं आसानी से बीच में ही नहीं छोड़ पाना।																									

चतुर्थ टर्म तक समेकित रचनात्मक आकलन

शिक्षाक्रमणीय उद्देश्यों के सापेक्ष उच्च स्तरीय कौशलों के सूचक

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50
गणितीय तर्कशीलता एवं अधिसंज्ञान																									
सवालों को हल करने के वैकल्पिक तरीकों को समझ पाना।																									
स्वयं प्रयास करके नए सवाल बना पाना।																									
सवालों को हल करने में अन्य साथियों की सहायता कर पाना। (ना केवल उत्तर बता पाना बल्कि उदाहरणों से समझा पाना)																									
सवालों में की गई त्रुटि के स्रोत (मूल कारण) को पकड़ पाना।																									
स्वयं के स्तर पर अपनी गलतियों की समीक्षा एवं सुधार कर पाना।																									
गणितीय संप्रेषण एवं अभिव्यक्ति																									
सवालों को स्वयं ने कैसे हल किया इसे समझा पाना।																									
अन्य द्वारा समझाए गए हलों/समाधानों को सुनकर समझ पाना व लागू कर पाना।																									
गणित के प्रति रुझान																									
गणितीय समस्याओं/प्रश्नों को हल करने में आनन्द ले पाना।																									
नई समस्याओं/प्रश्नों को हल करने में आत्मविश्वास एवं इच्छा को प्रकट कर पाना।																									
किसी समस्या/प्रश्न को हल करने का सम्पूर्ण प्रयास जारी रख पाना एवं आसानी से बीच में ही नहीं छोड़ पाना।																									